Course Code: 2MA **SANS** 1 Course: वेद एंव वेदाड्.ग —II

Credit: 4

Last Submission Date: October 31, (for January Session)

April 30, (for July session)

Max. Marks:-30 Min. Marks:-11

Note:-attempt all questions.

- प्र.1 निम्न का संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-
 - (अ) अथ निपाताः उच्चावचेष्वर्थेषु निपसन्ति।
 अप्युपमार्थे, अपि कर्मोपसंग्रहार्थे अपि पदपूरव्यः।
 - (ब) तेषामेत चत्वार उपमार्थे भवन्ति। इवेति भाषायां च अन्वध्याय च। अग्निरिव इन्द्र इव इति।
- प्र.2 निरूक्त का महत्व प्रतिपादित कीजिए।
- प्र.3 सप्रसंड् ग व्याख्या कीजिए-
 - (अ) हिरण्यनामानि उत्तराणि पञ्चदश हिरण्यं कस्मात् ध्रियसे आयम्यमानमिति वा दिवसे जनाज्जनमिति वा हितरमणं भवतीति वा हदयरमणं भवतीति वा। हर्य सेर्वा स्यास् प्रेप्सा कर्मणाः।
- प्र.4 वेदाड्.गो में निरूक्त का स्थान निरूपित कीजिए।
- प्र.5 ऋट्कप्रतिशारव्य का प्रयोजन एवं महत्त्व निरूपित कीजिए।
- प्र.6 निम्न का सप्रसंग व्याख्या कीजिए-
 - (अ) अष्टौ समाना तक्षराष्यादितः।
 - (ब) तत्तश्चत्वारि संध्यक्षराण्युत्तराणि।
- प्र.7 शत्पथ ब्राहम्ण त्वष्टा पुत्र विश्व रूप की कथा का सारांश लिखिए।
- प्र.8 संदर्भ प्रसें व्याख्या कीजिए-
 - (अ) संनिवेशस्तयोर्ज विश्वरूप वीर्यवार

त्वष्टदैत्यानुजा आर्यारचना नाम कन्यका.

नासत्याभ्यां परिश्रितः ।।

- — विश्वैदैवैष्य साध्येश्च
- (ब) नाम्यन्दस सप्राप्तं। प्रत्युत्थानासमादिभिः। वाचस्पति मुनिवरं सुरासुर नास्कृतं।।
- प्र.9 निम्न की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए-
 - (अ) स्वराविरातिरकेश्च स्पर्शाना पञ्चिवशांतिः। यादश्च स्मृता हृष्टौ चत्वारश्च यमा स्मृताः।।
 - (ब) आत्मा बुद्ध्या समेत्ययनि मनो युङ.क्ते विवक्षया।
 मनः कायाग्नि माहत्ति स प्रेरयति मारूतम्।।
- प्र.10 पाणिनोयशिक्षा के अनुसार वर्णों की संख्या का निरूपण कीजिए?